



115/81

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

पं. 475]  
No. 475]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 6, 1988/भाद्र 15, 1910  
NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 6, 1988/BHADRA 15, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी काली है जिससे कि यह अलग संकलन के क्षण में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1988

अधिसूचना

प्राय-कर

सा.का.नि. 903(प्र):—केन्द्रीय सरकार, प्राय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 80 गणक की उपधारा (1) के खण्ड (ii) धारा प्रदत्त भवित्वों का प्रयोग  
करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम की “जीवन धारा” और “जीवन अक्षय” योजनाओं

को, जैसी वे उस विगम द्वारा क्रमशः बीमा नियम, 1939 के नियम 17A और धारा 26 के साथ पठित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 40B की उपधारा (1) और उबत बीमा अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 26 के अधीन बीमा नियंत्रक के पास कारबल की गई है धारा 80ग्राम के प्रयोजनों के लिए उस विगम की वार्षिक की योजनाओं के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

[मं. 8100, का. स. 142/20/88-टी.पी.एस.]

एन. मी. जैन, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 6th September, 1988.

### NOTIFICATION

### INCOME-TAX

G.S.R. 903 (E) :—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of section 80CCA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies "Jeevan Dhara" and "Jeevan Akshay" plans of the Life Insurance Corporation of India, as filed by that Corporation with the Controller of Insurance under sub-section (1) of section 40B of the Insurance Act, 1938 read with rule 17C of the Insurance Rules, 1939 and section 26, read with sub-section (2) of section 3, of the said Insurance Act, respectively, as the annuity plans of that Corporation for the purposes of section 80CCA.

[No. 8100, F. No. 142/20/88-TPL]

N. C. JAIN, Jt. Secy.